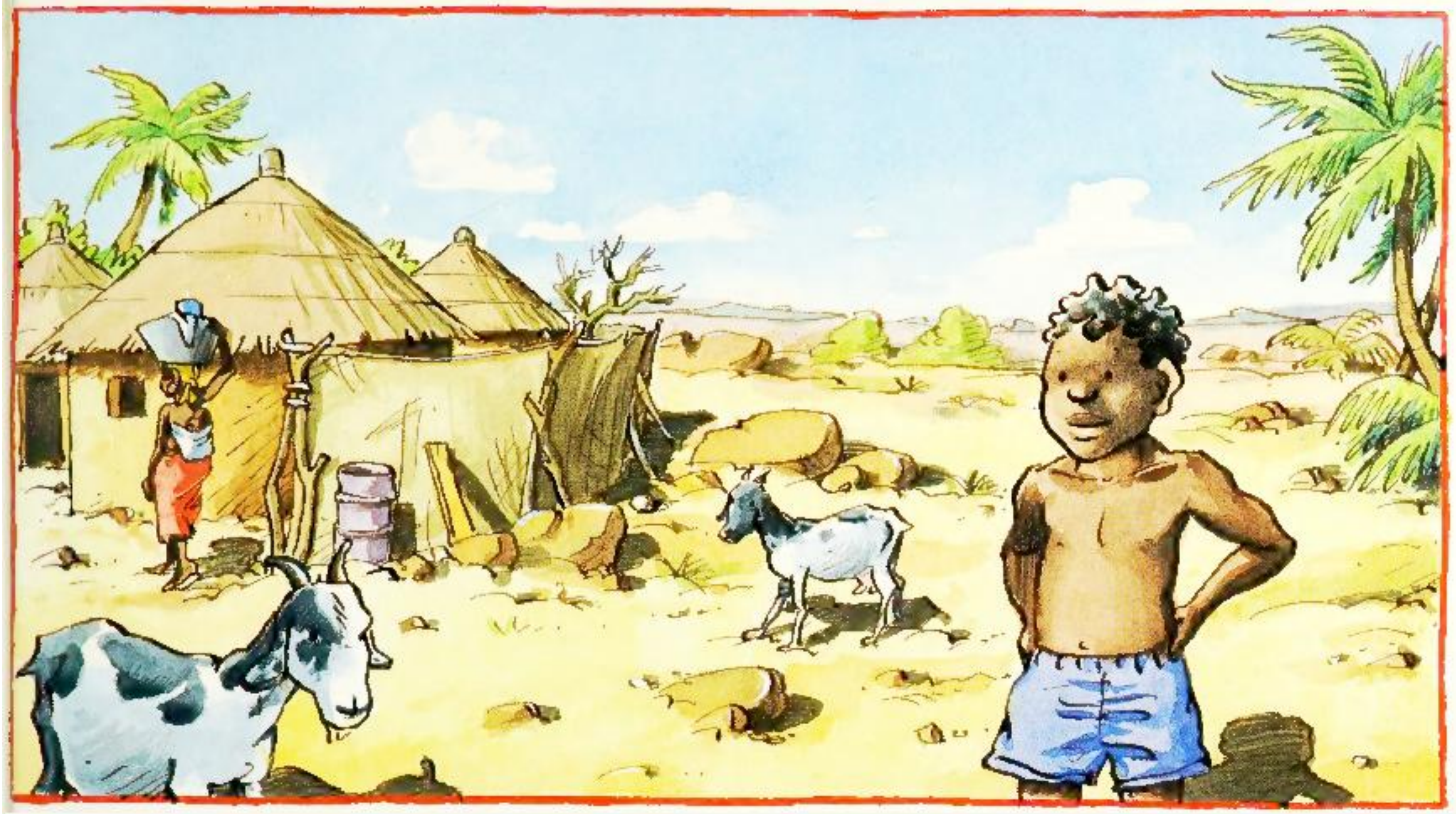

एक बहुत दूर देश

निगेल ग्रे • फिलिप डुपासक्वियर

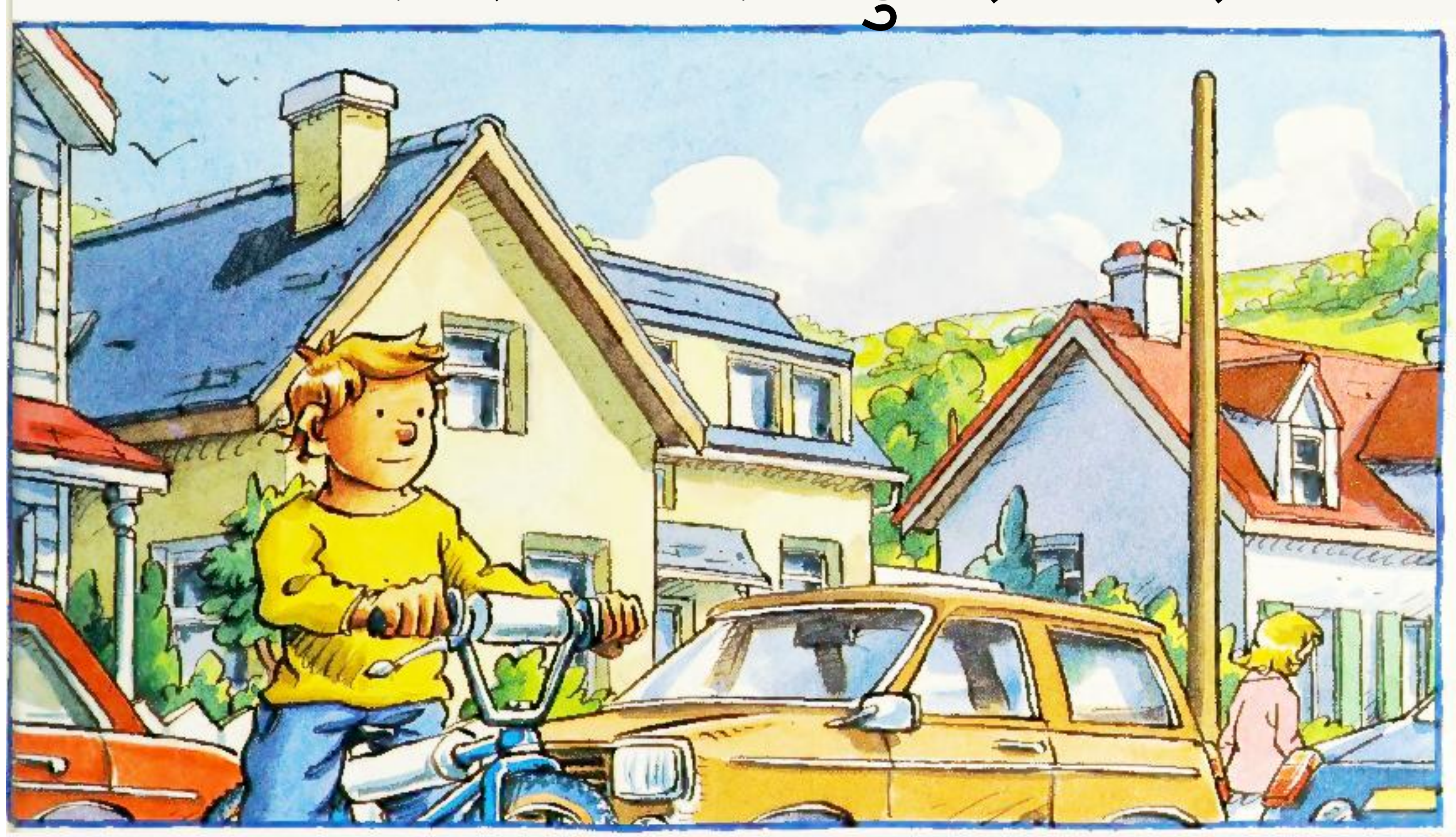

एक बहुत दूर देश

निगेल ग्रे • फिलिप डुपासक्वियर

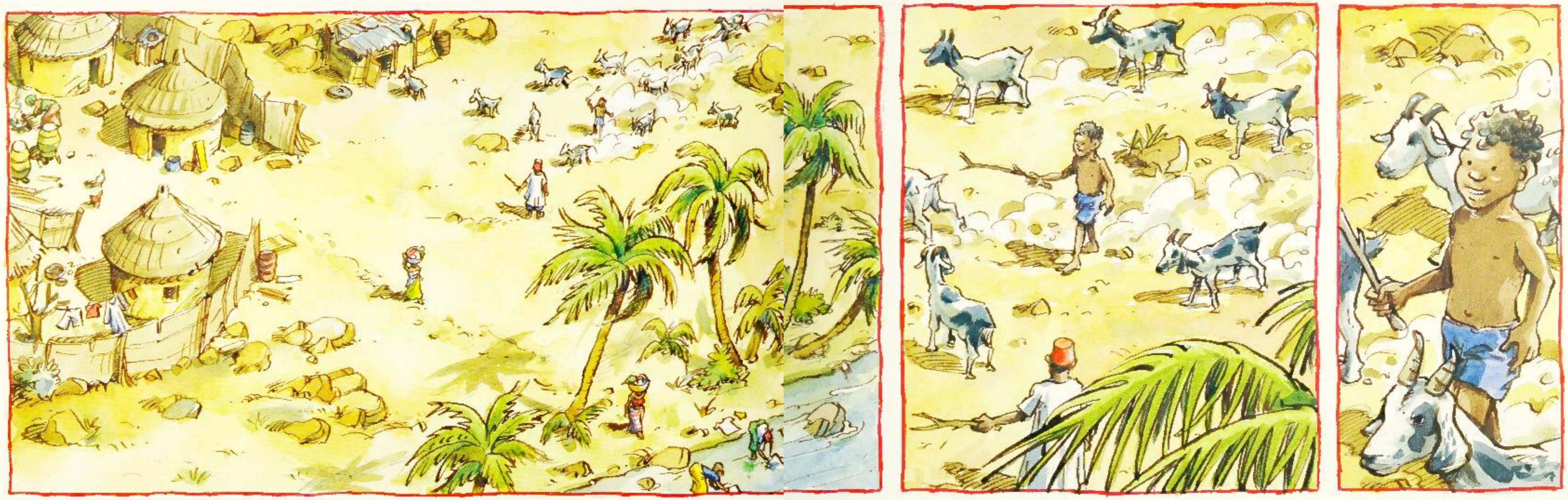

आज का दिन बिल्कुल सामान्य था. मैं घर पर ही रहा.

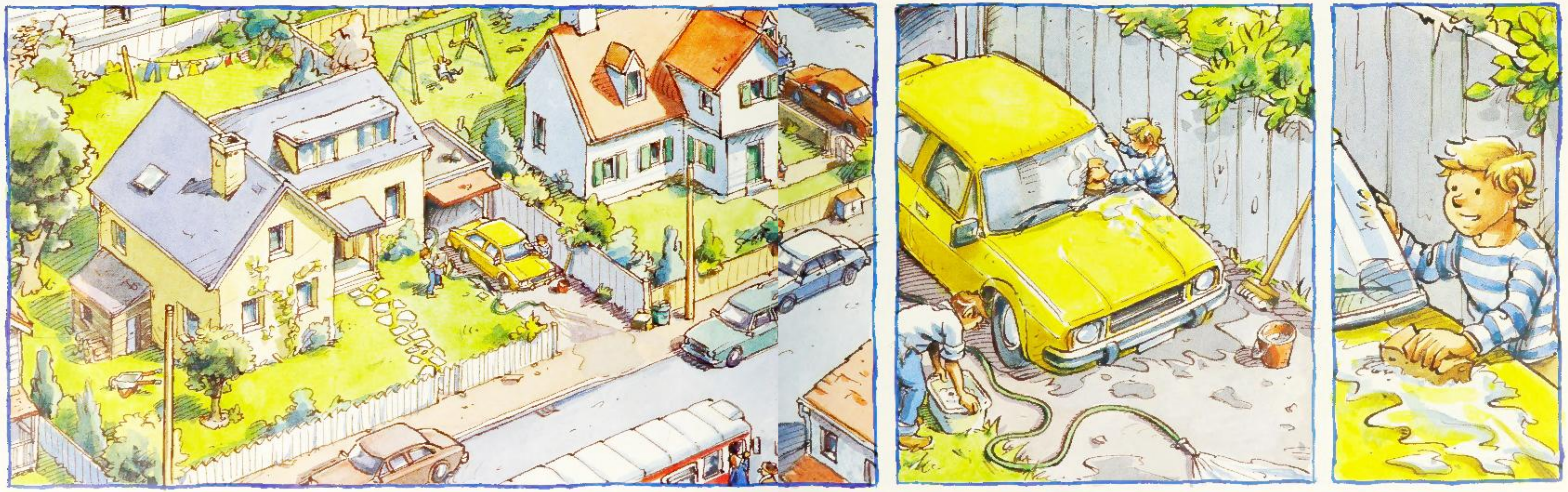

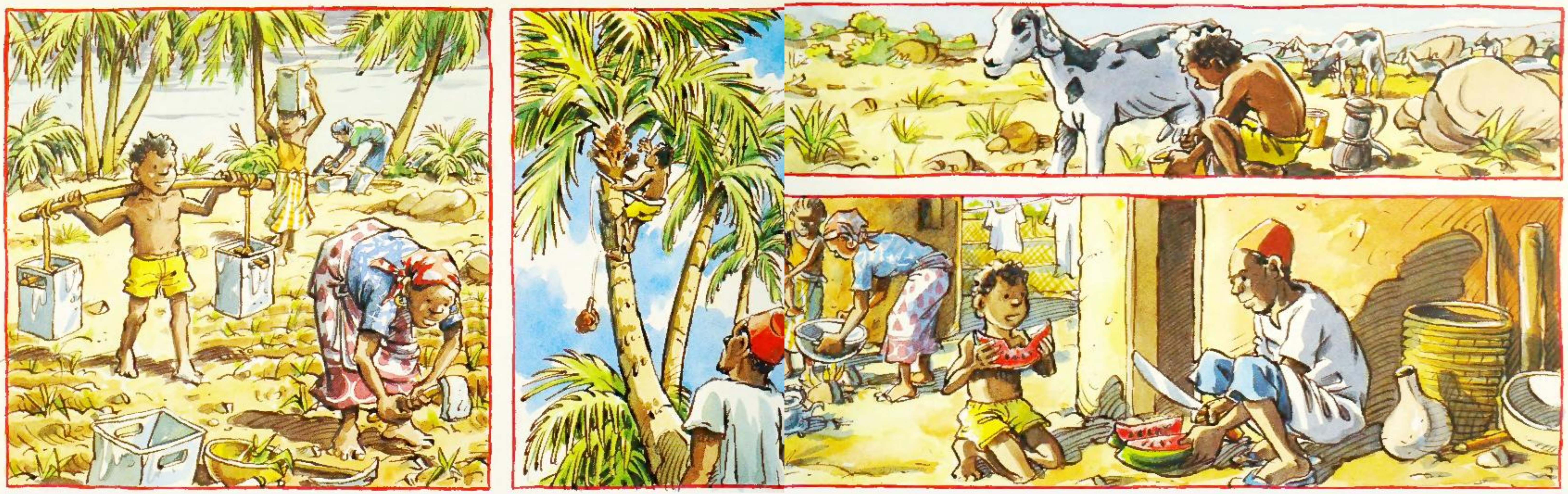

मैंने अपने मम्मी-पापा की मदद के लिए बहुत सारे काम किए.

वे बहुत खुश हुए.

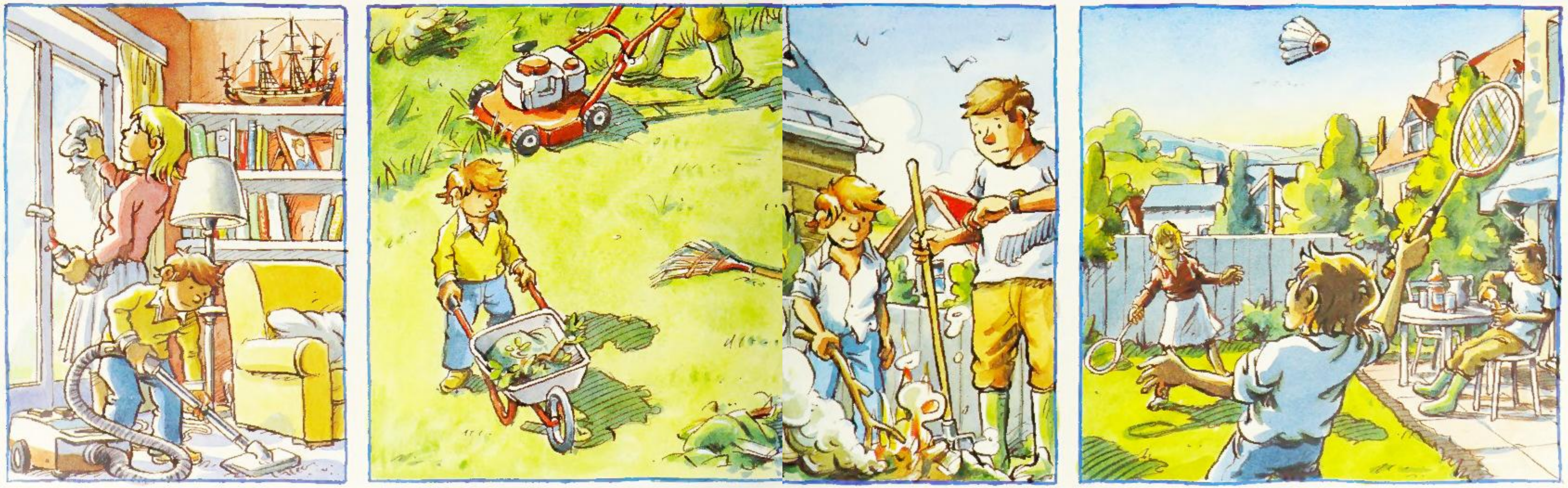

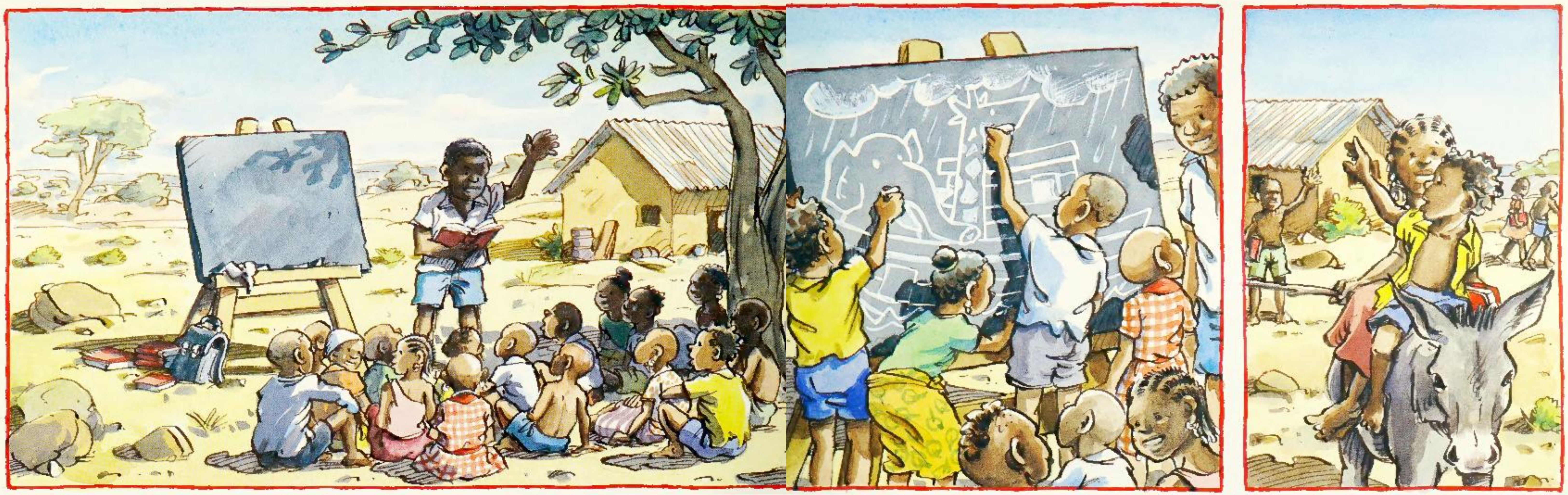

छुट्टियों से पहले आज स्कूल का आखिरी दिन था.

इसलिए हम जल्दी घर चले गए.

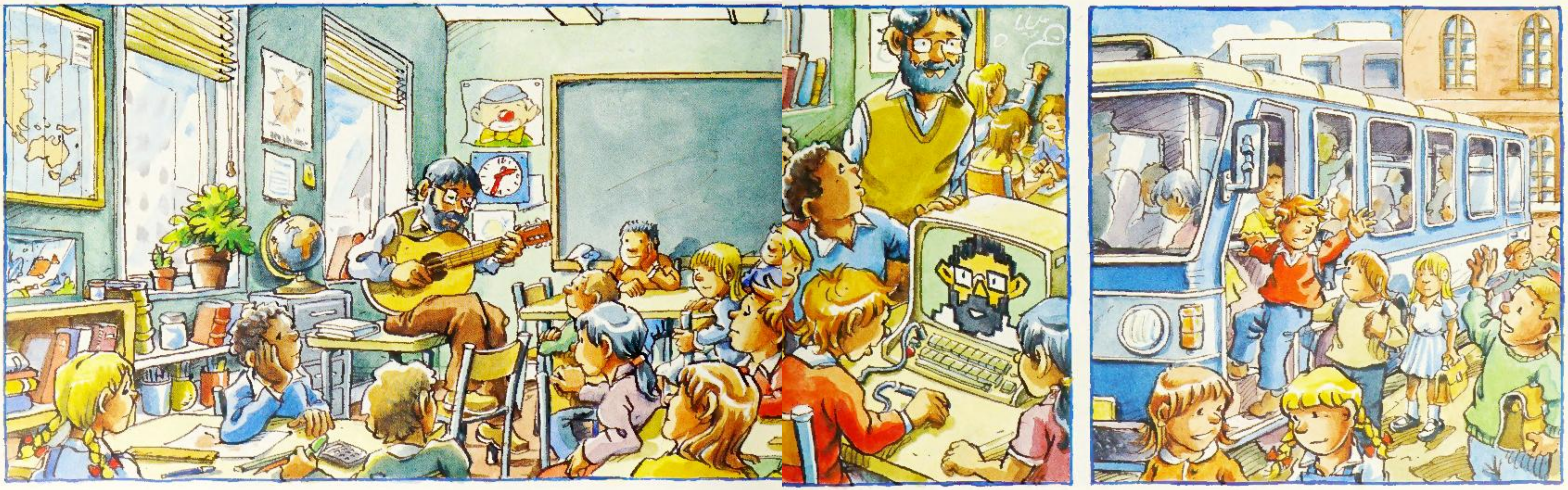

मैंने अपने दोस्तों के साथ साइकिल चलाई. मैं उनमें सबसे अच्छा हूँ.

मेरी मम्मी को एक बच्ची हुई है. हम तय नहीं कर पा रहे हैं कि उसका नाम क्या रखें.

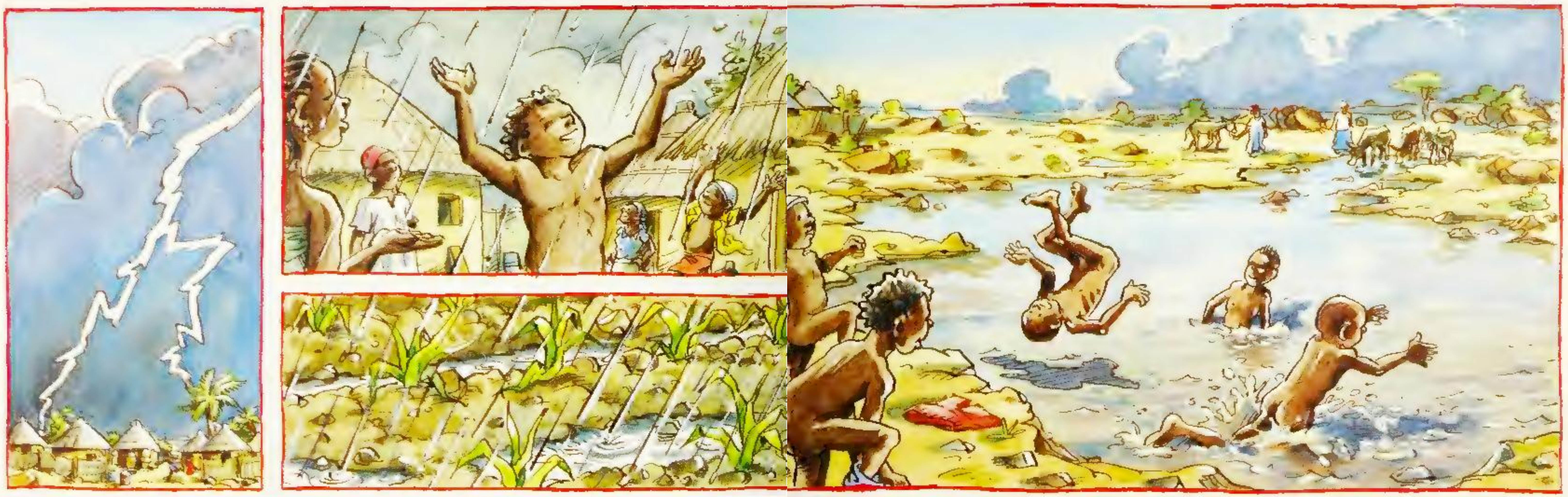

आज बारिश हुई - इसलिए हम तैरने गए.

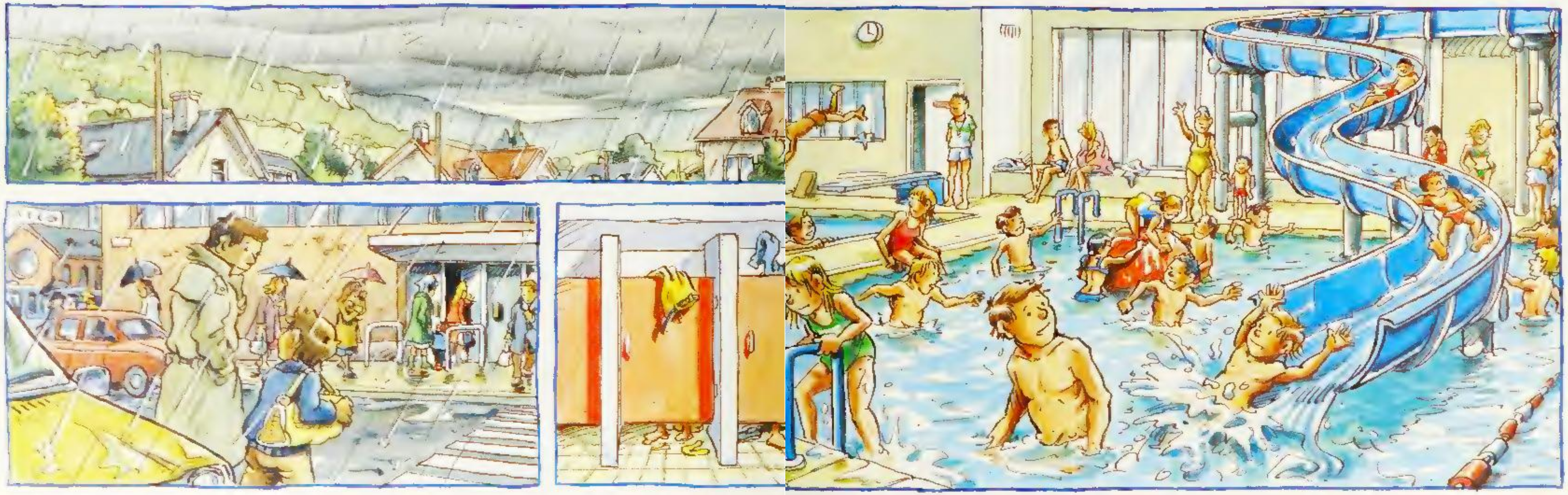

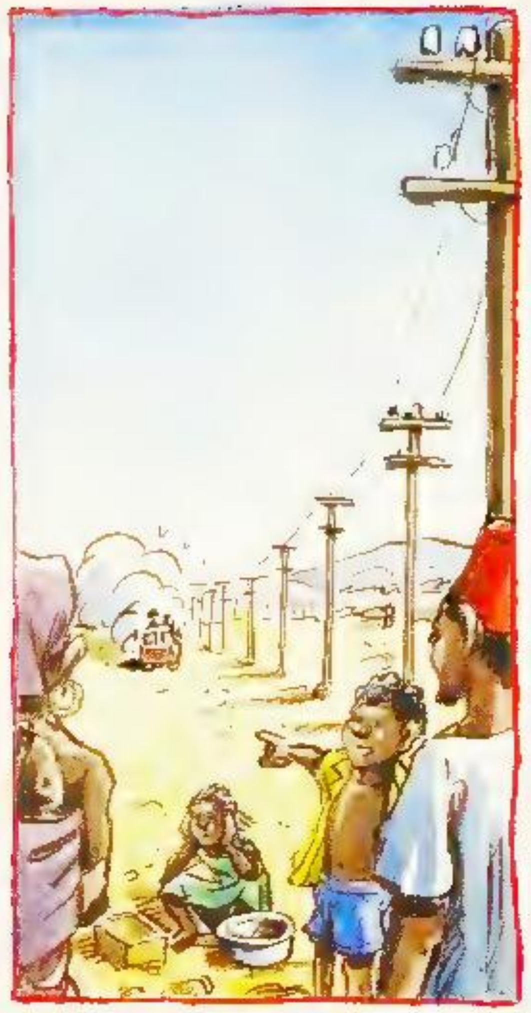

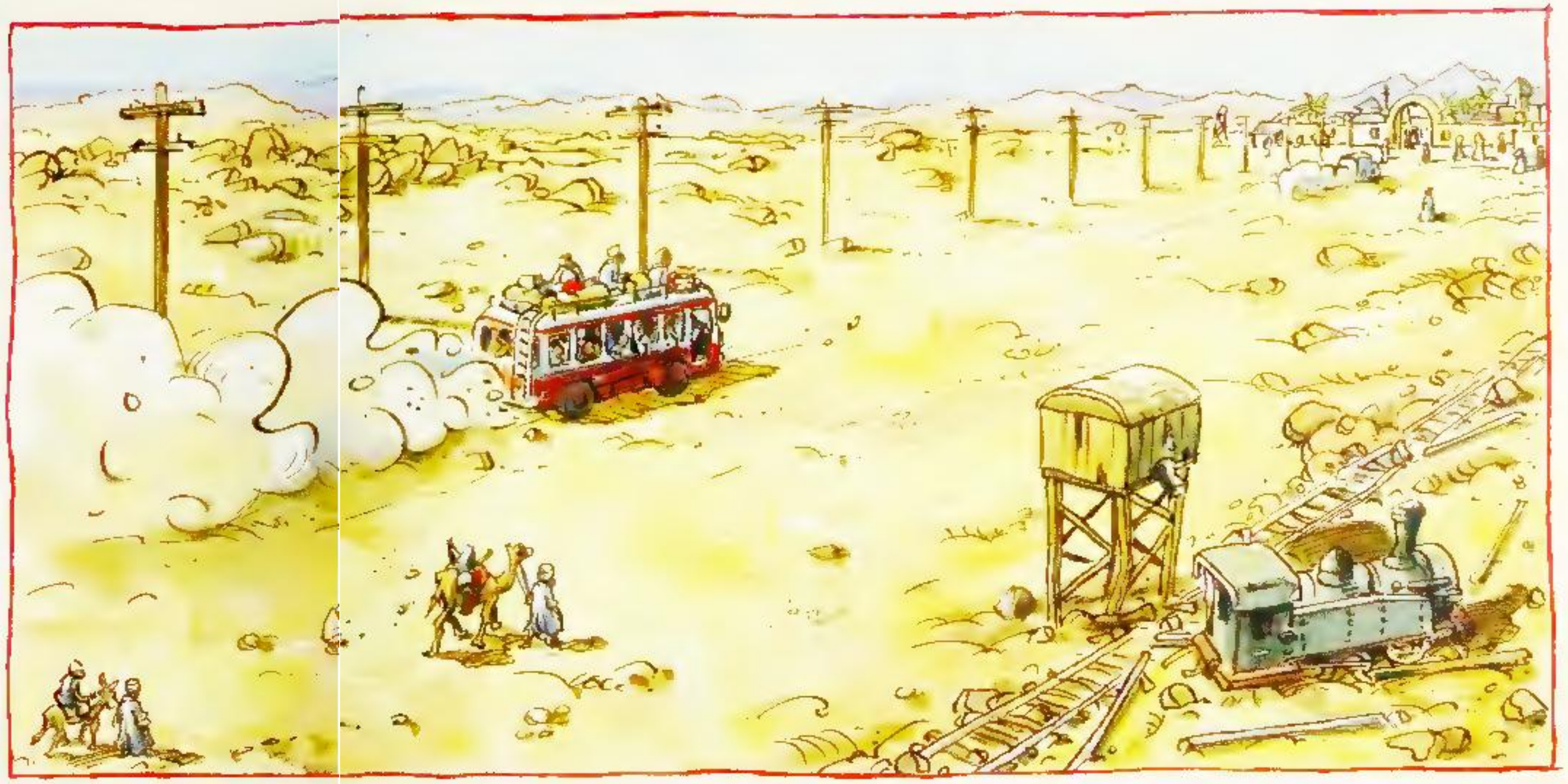

हम कुछ खरीदारी करने शहर गए.

मुझे लगा था कि हम वहाँ कभी नहीं पहुँच पाएँगे.

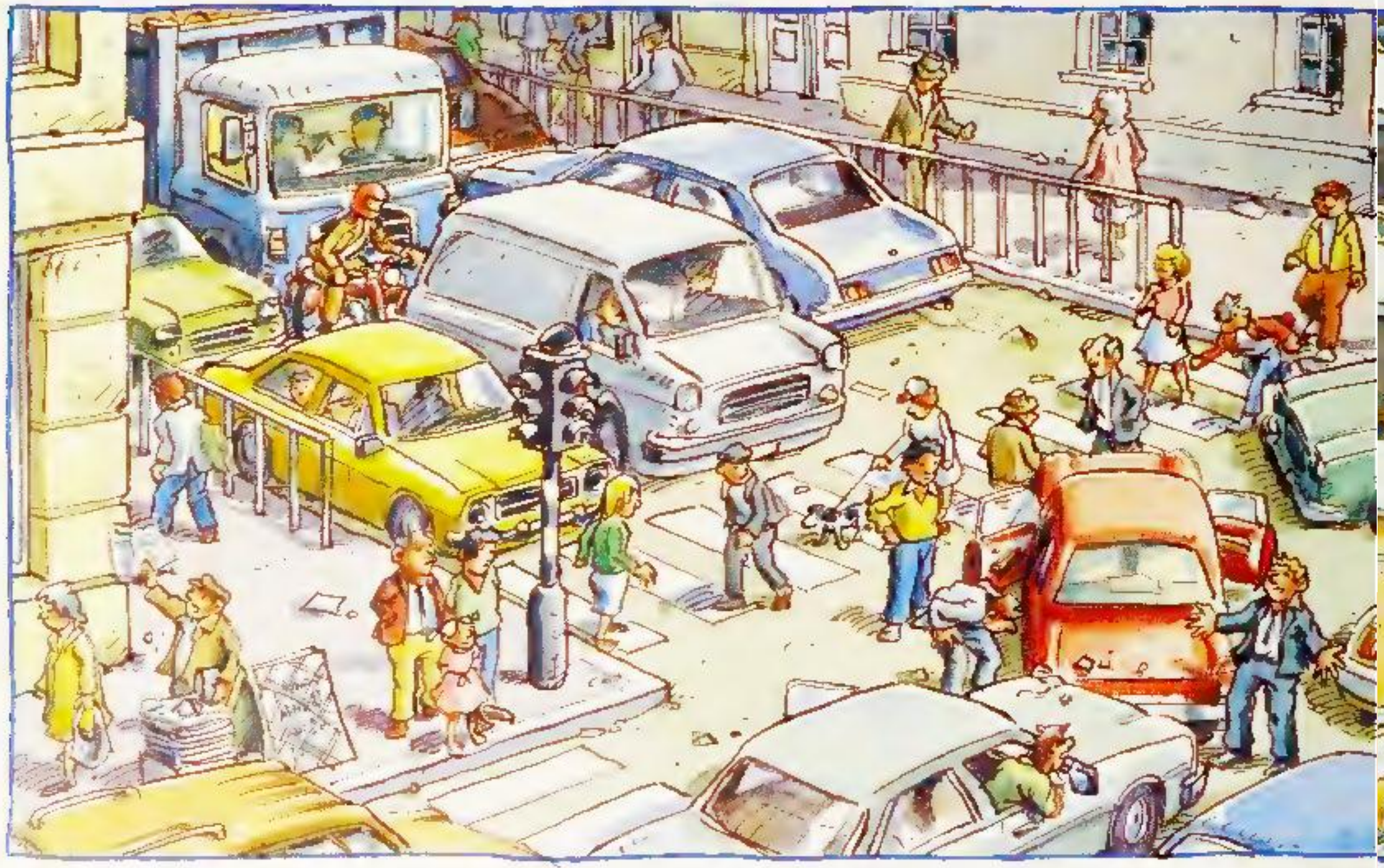

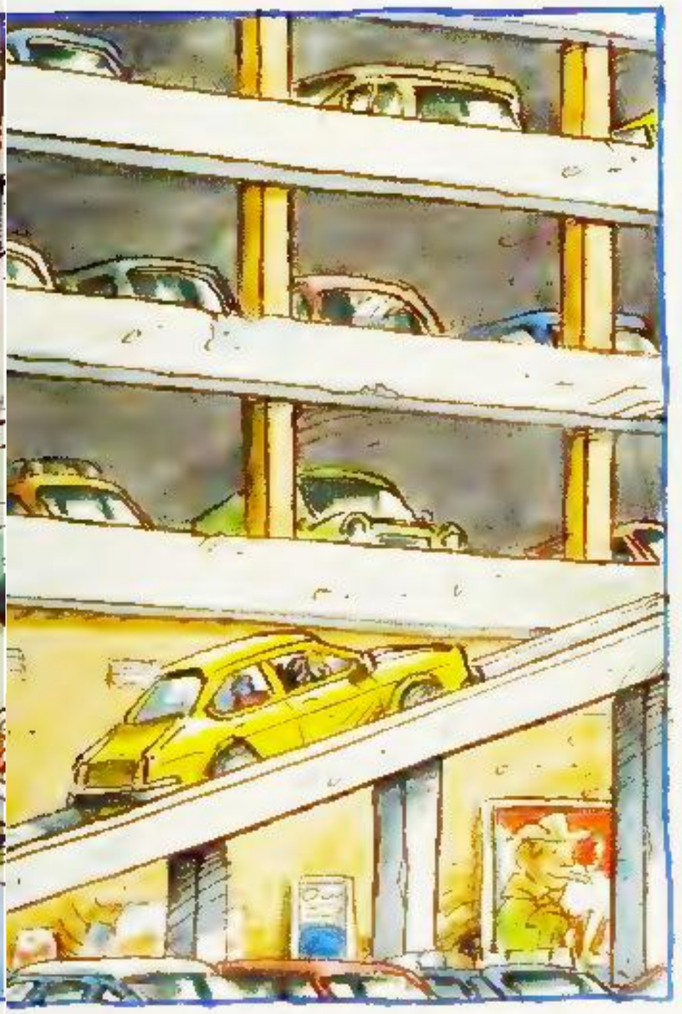

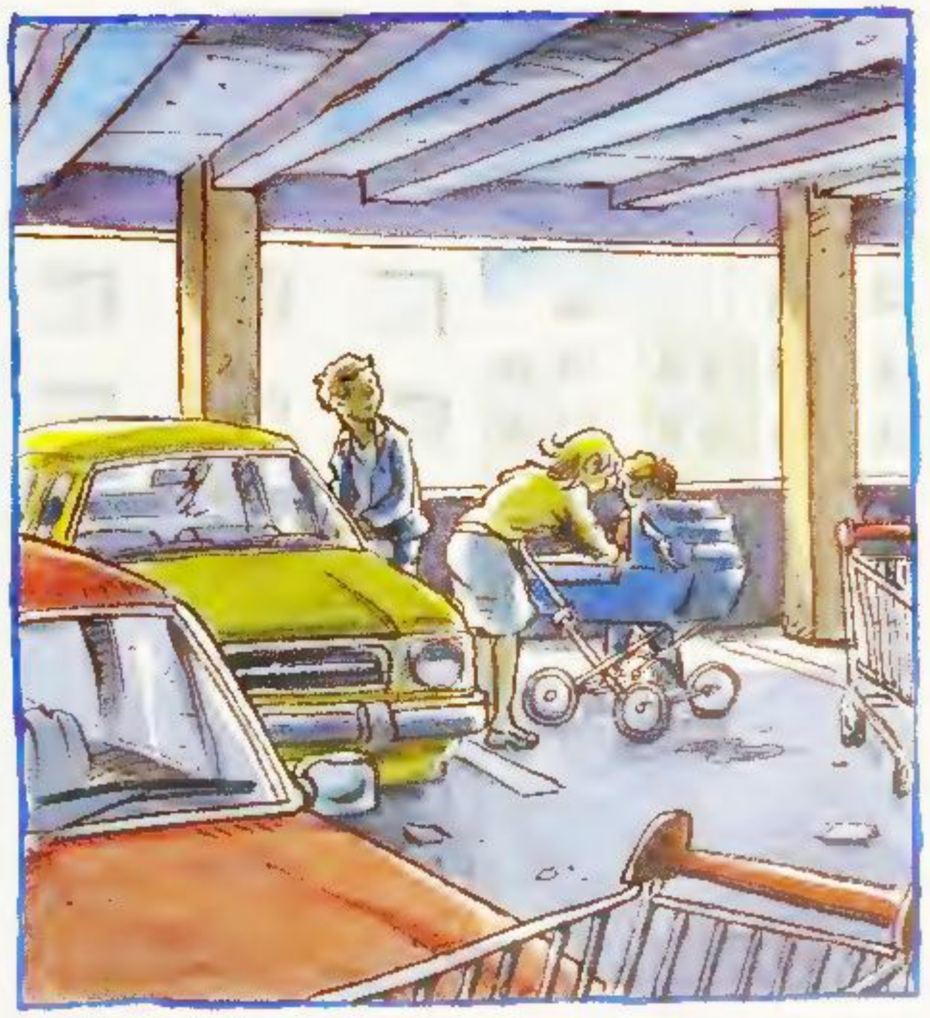

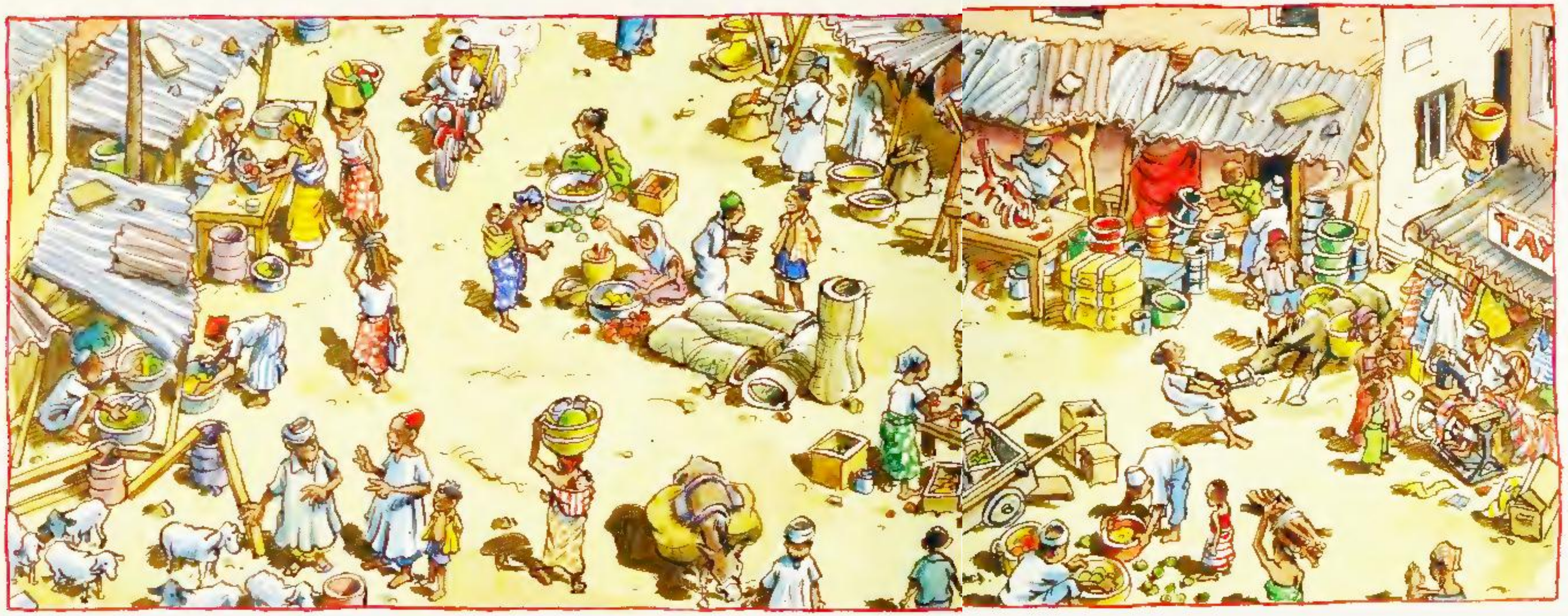

हमें बहुत सारी चीज़ें खरीदनी थीं. शहर वाकई बहुत मज़ेदार था.

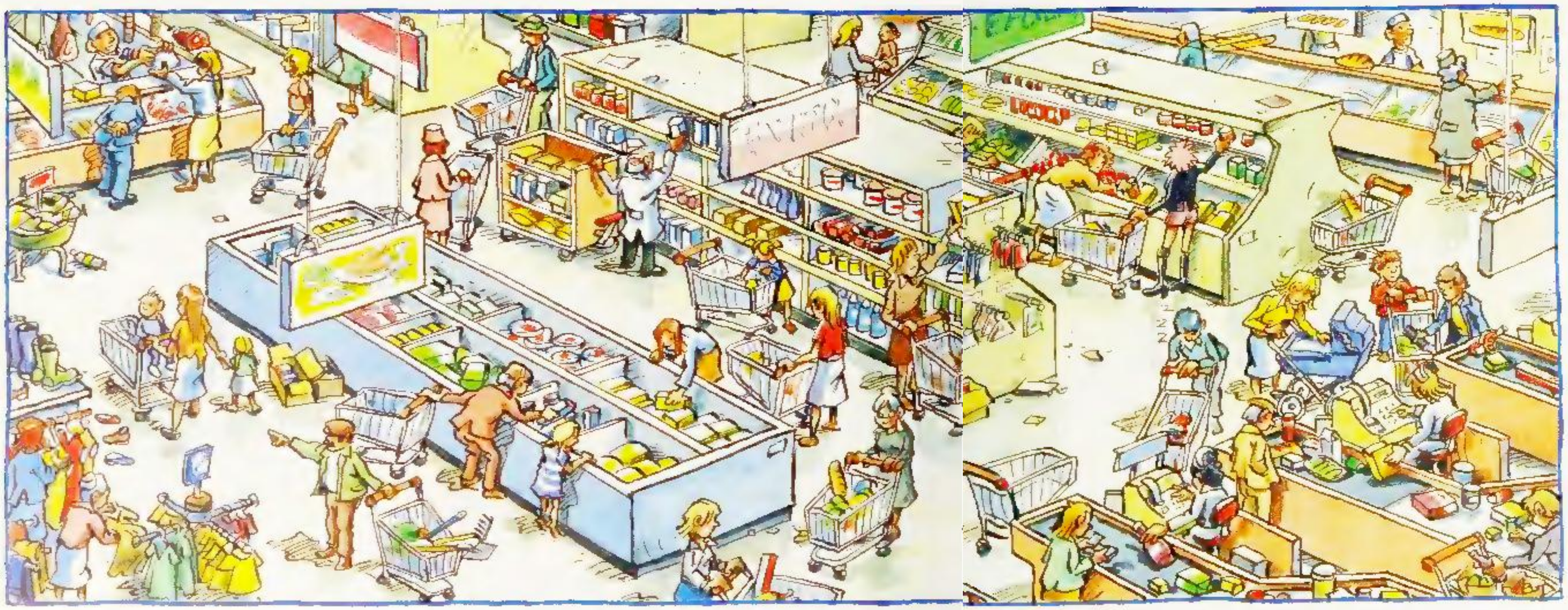

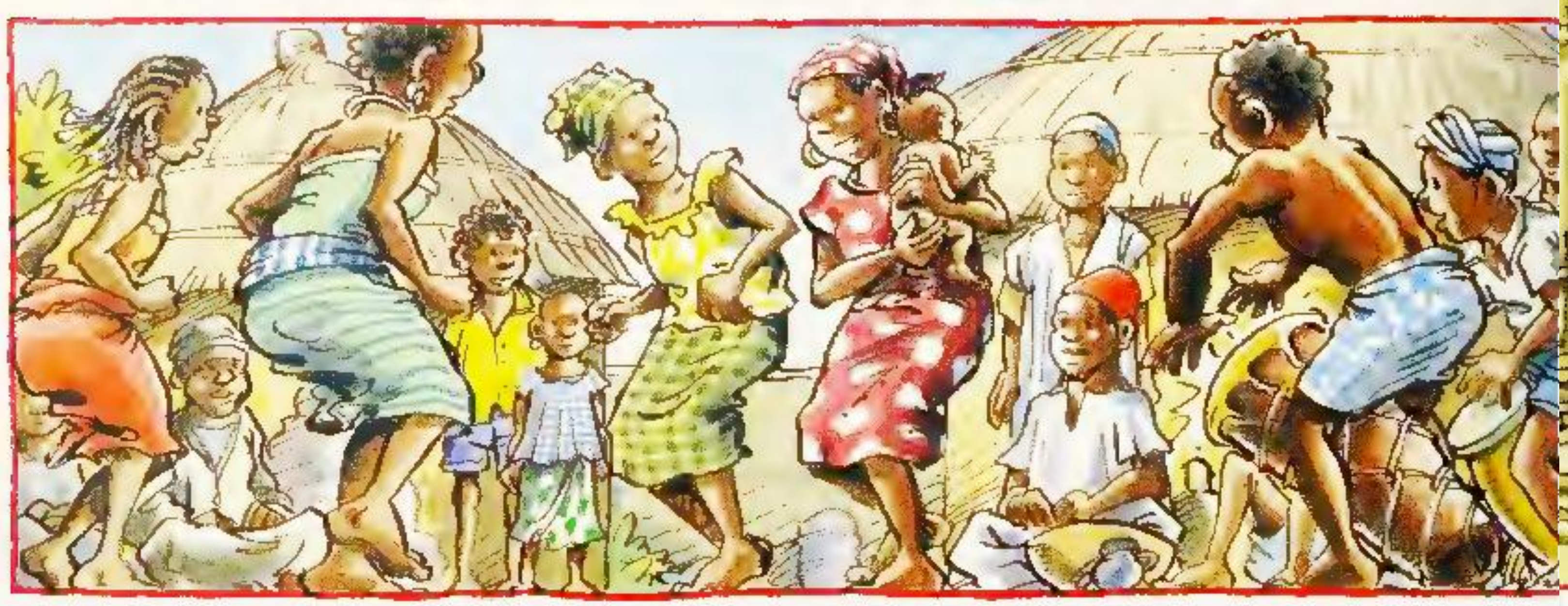

हमने मेरी छोटी बहन के लिए एक जश्न मनाया.

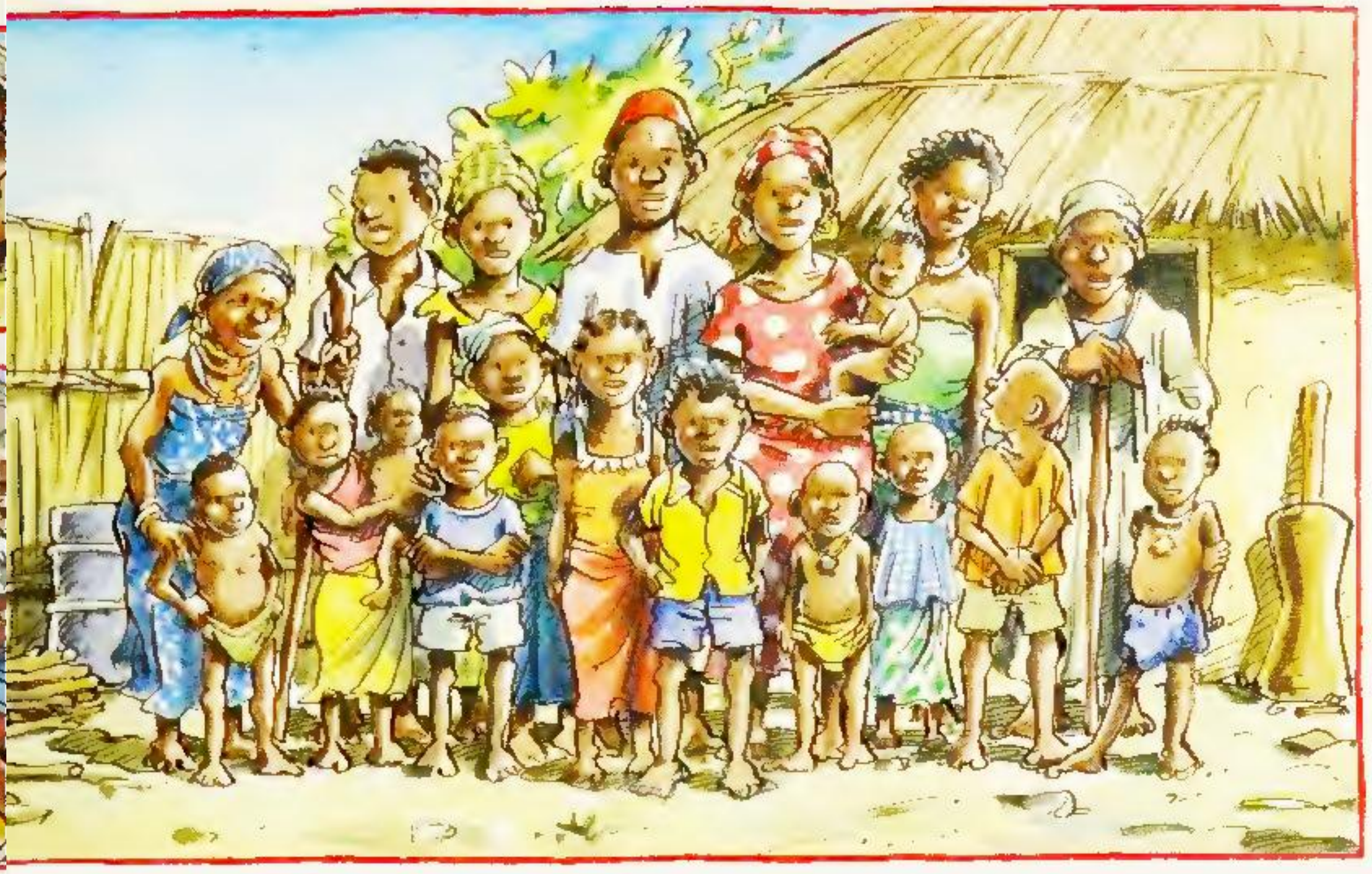

हमने अपनी तस्वीर खिंचवाई.

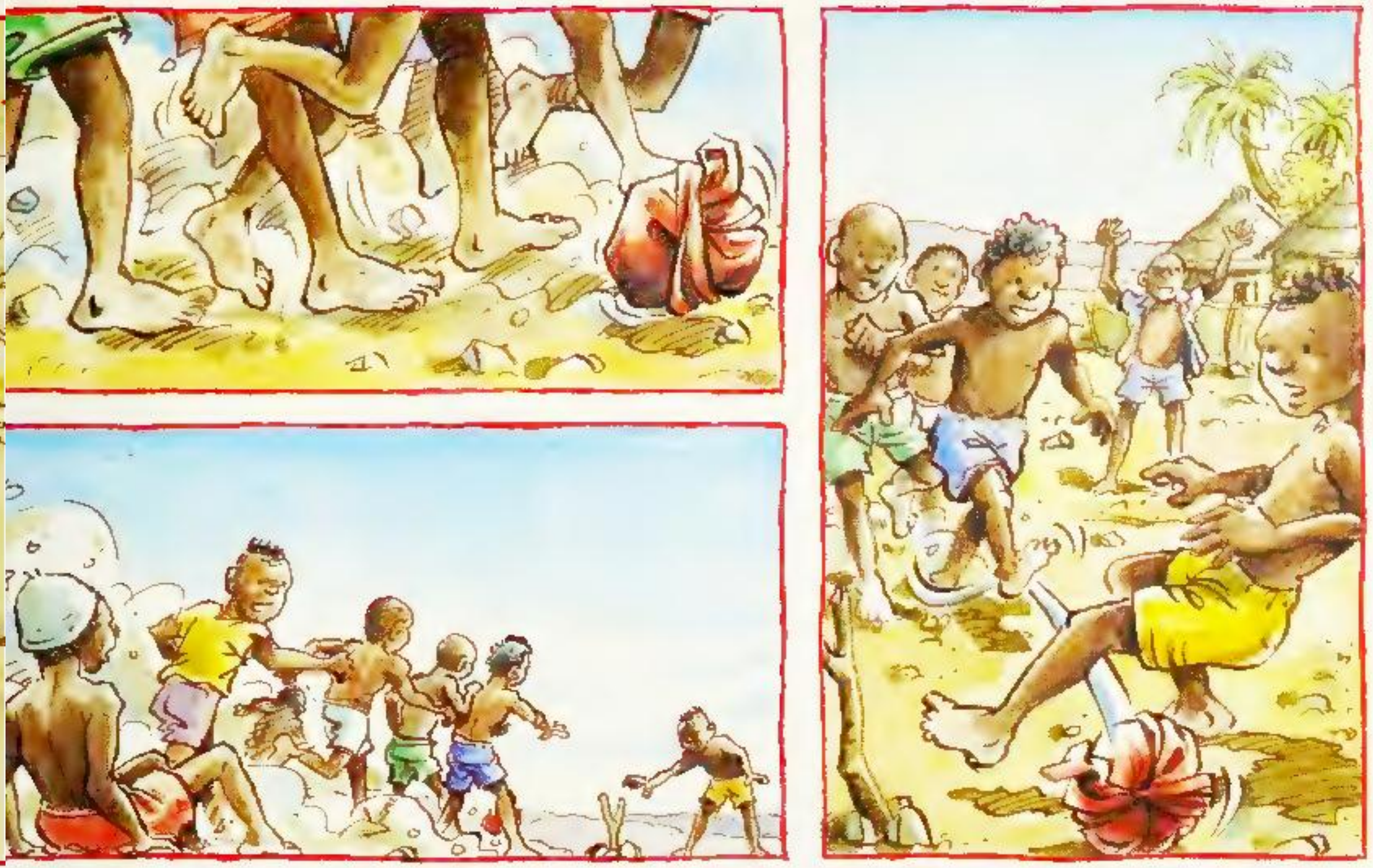

हमने फुटबॉल खेला. मैंने एक गोल किया.

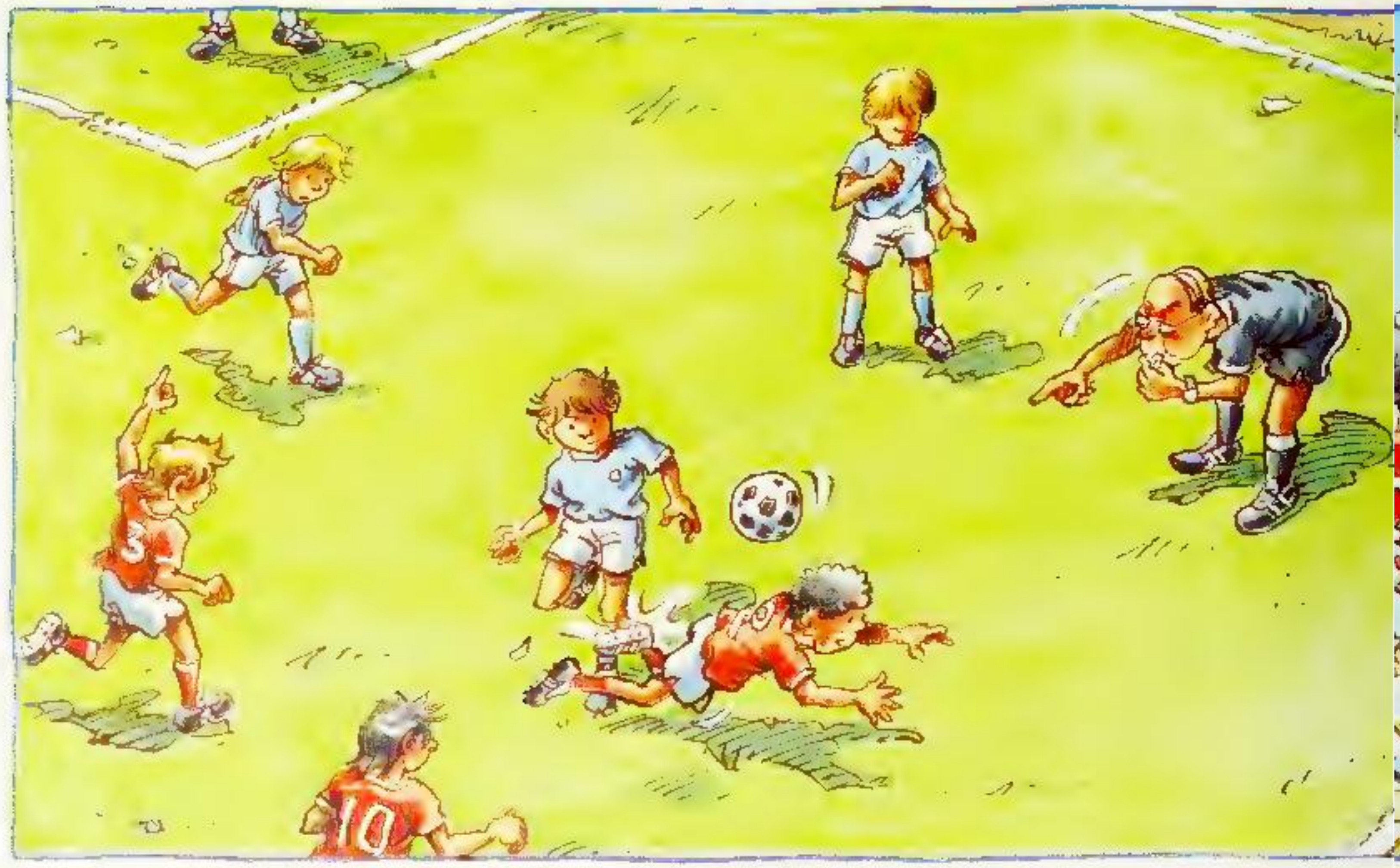

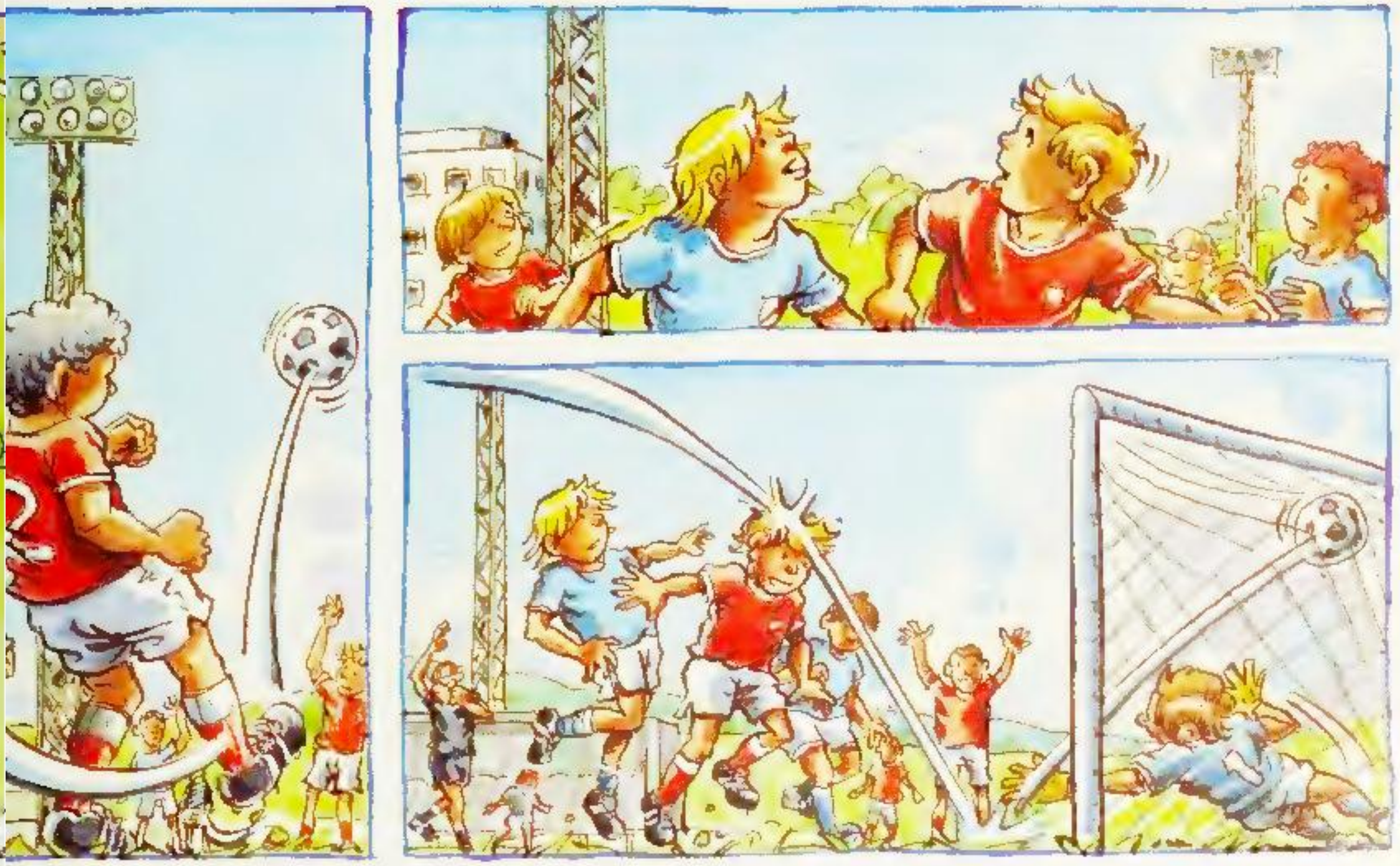

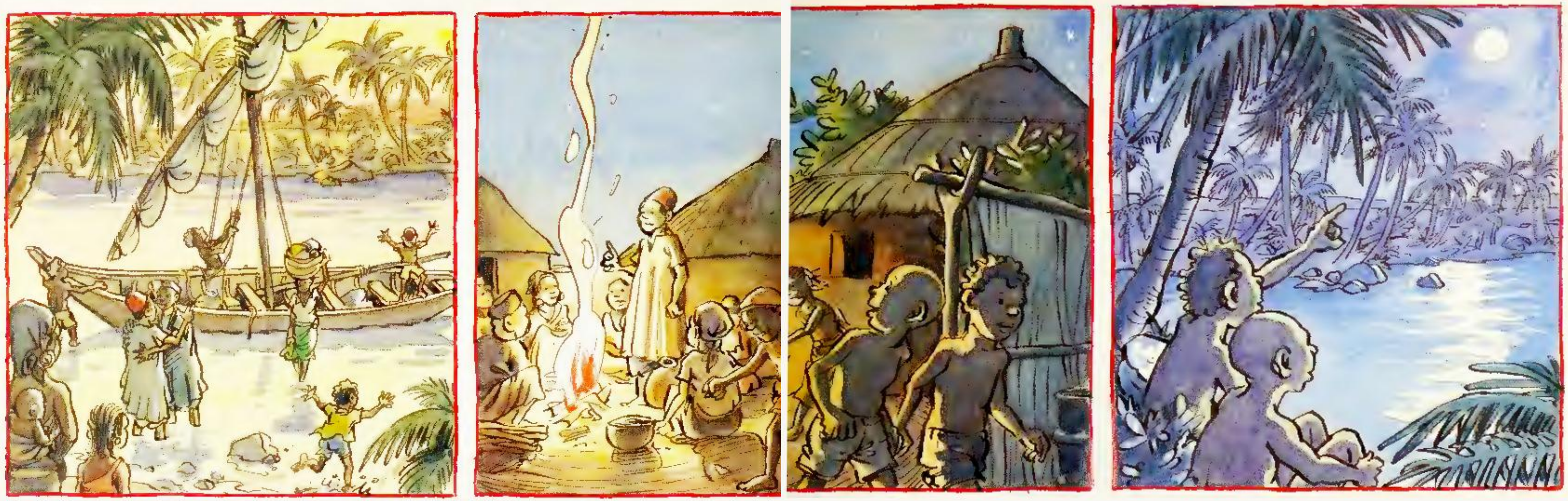

मेरा चचेरा भाई हमसे मिलने आया. हम दोनों देर तक जागते रहे.

मैंने दूर स्थित एक देश की कुछ तस्वीरें देखीं.

मैं एक दिन वहाँ जाना चाहूँगा...

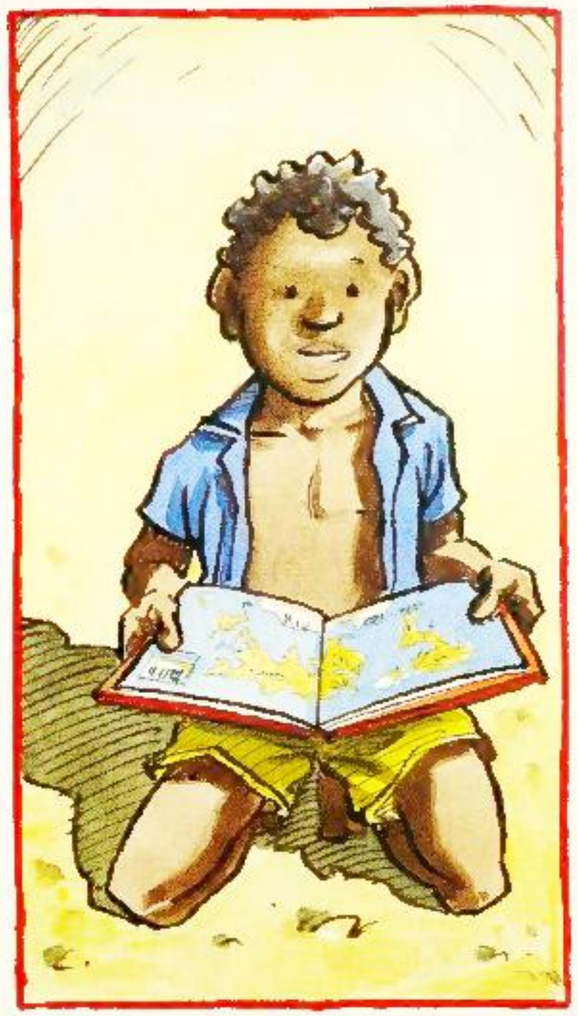

... और दोस्त
बनाना चाहूँगा.

मैं इंद्रधनुष के
दूसरी तरफ,
उसके मेहराब के जादू से कहीं आगे,
एक ऐसे देश में जाना चाहूँगा जो
नया और अनोखा हो.

अपनी यात्रा के अंत में,
क्या मुझे अपना कोई दोस्त मिलेगा?
और अगर हाँ, तो
वह मुझे क्या सिखा सकता है?
और बदले में मैं उसे क्या सिखा सकता हूँ?

मुझे बताया गया है कि
यह बहुत लंबा रास्ता होगा.
लेकिन मैं वहाँ एक दिन
ज़रूर जाऊँगा.
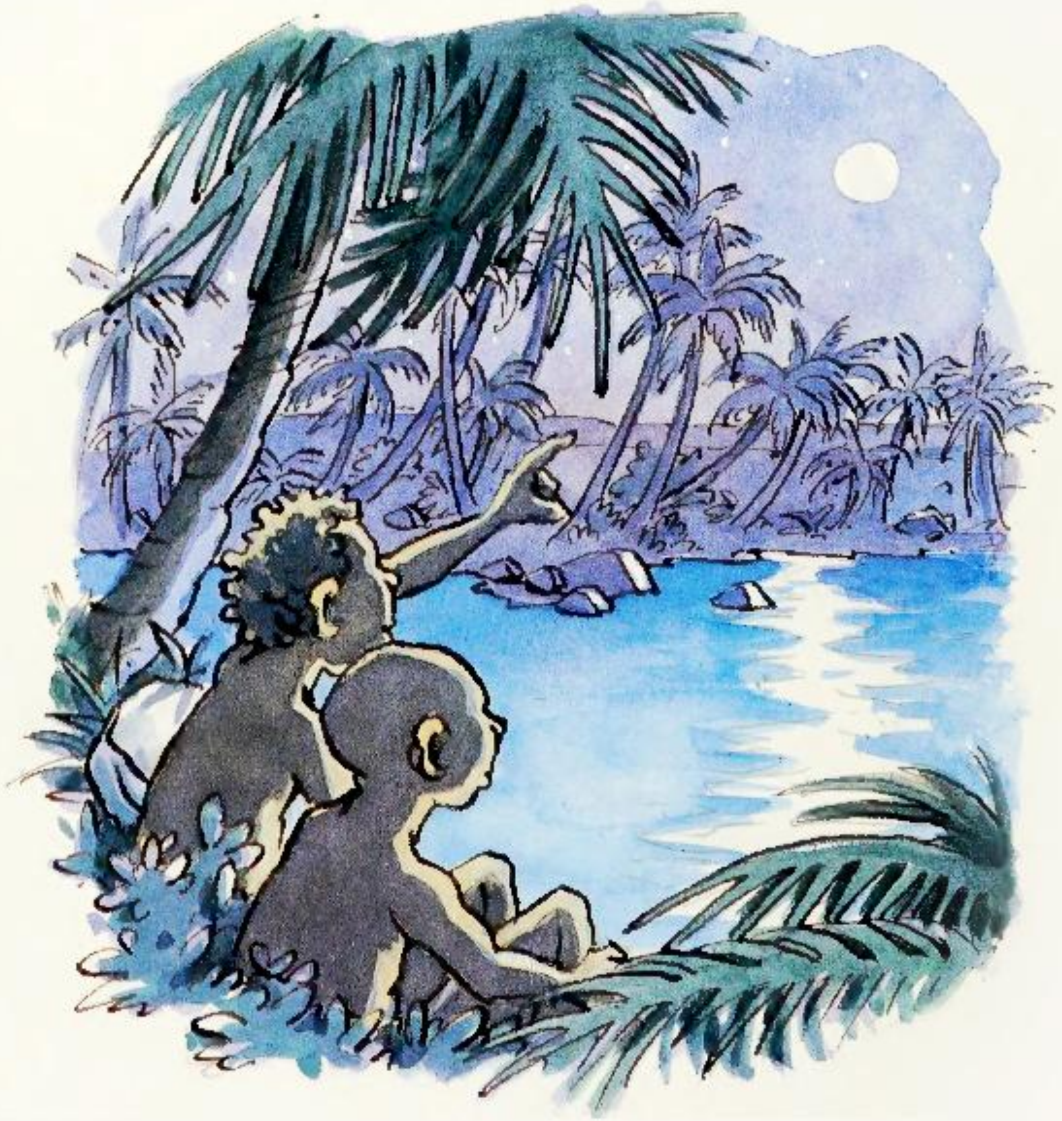
फिलिप डुपासक्विवयर ने निगेल ग्रे और उनकी सूडानी पत्नी के साथ मिलकर एक अद्भुत चित्र पुस्तक तैयार की है, जिसमें एक अफ्रीकी गाँव के लड़के और एक ब्रिटिश बच्चे के जीवन के बीच के अंतर को दर्शाया गया है. विस्तृत चित्र संस्कृति और परिवेश में भारी अंतर के बावजूद, बच्चों के जीवन में कई समानतायें भी हैं.